Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 21-03-2006

Participants : Bhargav Shri Girdhari Lal

an>

Title : Need to enhance the quota of Kerosene and remove ban on supply of domestic gas cylinders in Rajasthan.

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, यह तो मेरे साथ बहुत अन्याय है। मैं तो आपको धन्यवाद दे रहा हूं। मेरी बात आप सुन लीजिए।

महोदय, राज्स्थान में गत कई वर्ों से मिट्टी के तेल का कोटा 7742 (सात हजार सात सौ बयालीस हजार) किलोलीटर कम कर दिया है। इसके लिए राजस्थान के खाद्य मंत्री जी, दो बार पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री मणि शंकर अय्यर जी और माननीया मुख्य मंत्री, राजस्थान, बहिन वसुन्धरा जी, कई बार संबंधित मंत्रियों से मिल चुकी हैं। यह मिट्टी का तेल कच्ची कॉलोनियों व झुग्गी बस्तियों में भोजन बनाने के लिए स्टोव तथा प्रकाश के लिए चिमनी व लालटेन में काम में आता है। शहर के निवासियों को भी बिजली कटौती के कारण मिट्टी का तेल काम में आता है। राज्य सरकार ने मिट्टी के तेल की आपूर्ति अनुपात के हिसाब से शहर व गांवों में कम कर दी है जबकि गांवों में व गरीब कच्ची बस्तियों में इसकी सप्लाई बढ़ाया जाना अत्यावश्यक है।

महोदय, गैस सिलेंडर, घरेलू उपयोग व कॉमर्श्यल उपयोग में आता है। इन दोनों की कीमतों में भारी अन्तर है। शादी विवाह और सामाजिक उत्सवों के अवसर पर कॉमर्श्यल सिलेंडर लेना अनिवार्य कर रखा है जबकि इन अवसरों पर घरेलू उपयोग के सिलेंडर के रेट पर सप्लाई की जानी चाहिए। इसलिए मेरा मंत्री महोदय से निवेदन है कि इस प्रतिबन्ध को हटाया जाना चाहिए और विवाह तथा सामाजिक कार्यों के अवसर पर कॉमर्श्यल की बजाय सिलेंडर घरेलू उपयोग दर पर सप्लाई किए जाने चाहिए। गांवों व शहरों में प्रति कार्डधारी 5-5 लीटर का कोटा है जबकि कम तेल के कारण 3.8 लीटर तेल ही दिया जा रहा है।

महोदय, मेरी केन्द्र सरकार से सिर्फ दो ही मांग हैं, एक- केन्द्र सरकार राजस्थान के मिट्टी के तेल के कोटे में जो कटौती की गई है, उसे बढ़ती हुई जनसंख्या के आधार पर और बढ़ाए तथा दो- घरेलू उपयोग के गैस सिलेंडरों को सामाजिक उत्सव एवं विवाह आदि के समय प्रयोग पर जो पाबन्दी लगा रखी है, उसे हटाया जाए और इन सामाजिक उत्सव, विवाह व धार्मिक अवसरों पर कॉमर्श्यल सिलेंडर देने का जो नियम है, उसे समाप्त किया जाए।

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have a list of 40 Members who want to raise important matters.

… (*Interruptions*)